GENERAL STUDIES (Test–4)

UPSC DMP (I) 2604

निर्धारित समय: 1½ घंटे
Time allowed: 1½ Hours

अधिकतम अंक: 125
Maximum Marks: 125

Name: Ravi Raj **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): हिन्दी **Reg. Number:** DNDA-2917

Center & Date: नोएडा | 19/11/2025 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: _____

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें दस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
There are TEN questions printed both in HINDI and ENGLISH.
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		6.	
2.		7.	
3.		8.	
4.		9.	
5.		10.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

1. प्लासी का युद्ध (1757) केवल एक सैन्य विजय नहीं थी, बल्कि भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की आधारशिला भी थी। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The Battle of Plassey (1757) was not just a military victory but a foundation of British colonial rule in India. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

प्लासी का युद्ध केवल एक सैन्य विजय मात्र नही थी बल्कि अंग्रेजों वह चाबी था, जिसके माध्यम से आनेवाले लगभग 200 सालों के लिए औपनिवेशिक शासन की आधारशीला थी।

→ 1757 का प्लासी युद्ध अंग्रेज सेनापति रार्बट क्लाईव तथा बंगाल के नवाब के मीर कासिम के बीच लड़ा गया था।

बंगाल के नवाब की हार ने यह तय कर दिया था। कि अंग्रेज जिस बंगाल को जितने की कोशिश कर रहे थे वह राजनीतिक व आर्थिक रूप से शासक साबित होगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अंग्रेज अपने जीत के उपरांत मीर जाफर को एक कठपुतली नवाब के रूप में गद्दी पर बैठा दिया तथा द्वैध शासन की शुरुआ की

द्वैध शासन

अंग्रेज
- → वित्तीय शासन
- → राजनीतिक शासन

नवाब
- → प्रशासनिक शासन
- → न्यायिक शासन

इसप्रकार अंग्रेज भारतीय सत्ता में अपना पाँव जमाते चले गये और औपनिवेशिक शासन का जन्म हुआ जो आगे बक्सर के युद्ध मे पूर्णतः साक हो गया।

2. 1905 के बंगाल विभाजन ने भारतीय राष्ट्रवाद के राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक आयामों को किस प्रकार प्रभावित किया ? व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10

How the Partition of Bengal in 1905 influenced the political, social and economic dimensions of Indian nationalism? Explain. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

1905 के बंगाल विभाजन ने लगभग पूरे भारत को आक्रोश से भर दिया क्योंकि विभिन्न प्रकार की क्रांतिकारी गतिविधियों का संचालन कर्ता था। विभाजन के पश्चात निम्नलिखित प्रकार की राजनीतिक सामाजिक व आर्थिक रूप से प्रभावित किया।

राजनीतिक आयाम

1. बंगाल के लगभग सभी लोगों ने मिल कर आपसी मतभेद मिटा कर विरोध किया
2. बंगाल विभाजन से राष्ट्रीय चेतना की शुरुआत प्रबल हुई
3. कांग्रेस तथा अन्य दलों ने मिलकर विरोध किया
4. बंगाल विभाजन का बहिष्कार व राखी बंधन दिवस मनाया गया था।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सामाजिक आयाम

- हिन्दु-मुस्लिम एकता का प्रदर्शन
- राखी बंधन का आयोजन
- स्वदेशी आन्दोलन जैसे स्वर प्रबल हुए।

आर्थिक आयाम

1. स्वदेशी आन्दोलन के तहत बंगाल के लोगो ने विदेशी कपड़ो की होली जलाई
2. वर्तमान में अंग्रेजी व्यापार 102 करोड़ से 52 करोड़ पर आ गया था।
3. स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग से भारतीय व्यापार में वृद्धि

अतः यह कहा जा सकता है कि बंगाल विभाजन ने भारतीयो पर एक व्यापक राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक प्रभाव डाला जो आगे भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को नया राह दिखाई दिया।

3. वर्ष 1885-1905 के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस आंदोलन से अधिक राजनीतिक शिक्षा का मंच थी। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

The Indian National Congress during 1885–1905 was more a forum of political education than of agitation. Elucidate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कांग्रेस की स्थापना 1885 में ए० ओ० ह्यूम व भारतीय व्योमेशचंद्र चटर्जी के साथ 72 अन्य सदस्यों के साथ किया गया ~~व~~ उस वर्तमान समय में कांग्रेस की स्थापना का उद्देश्य आन्दोलन के स्थान पर ब्रिटिश सत्ता के अंदर स्वशासन की चाह थी। ~~अतः~~

कांग्रेस की स्थापना भारतीय जनमानस के लिए एक ऐसी संस्था थी जिसके माध्यम से वे अपने विचारों भावों एवं अंग्रेजों के प्रति अपनी भावना प्रकट करने का मंच के रूप में देखते थे।

→ प्रार्थना पत्र

कांग्रेस की कार्य शैली

दबाव समूह ← कांग्रेस की कार्य शैली

अनुनय विनय

दबाव समूह के रूप में अपने विचारों को गवर्नर जनरल के पास रखना अर्थात

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन के माध्यम से लोग जुड़ते गये तथा आने वाले समय के लिए एक कड़ा प्रतिरोध की संस्था तैयार होती गई

→ बालगंगाधर तिलक, बदरूद्दीन तैय्यबजी तथा अन्य भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों ने इसमें भाग लिया और एक ऐसा राजनीति मंच तैयार किया जो भारतीयों एक दृष्टि दे सके।

अतः यह कहा जा सकता है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 1885-1905 तक आन्दोलन से अधिक एक राजनीतिक शिक्षा का मंच था, जो ऐसे विद्यार्थी का निर्माण कर रही थी। जो आने वाले समय में राष्ट्रीय आन्दोलन को सटीकता के साथ आगे बढ़ा सकें।

4. ब्रिटिश शासन के खिलाफ प्रारंभिक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया को आर्थिक शोषण और धन निकासी (ड्रेन ऑफ वेल्थ) सिद्धांत ने किस प्रकार आकार दिया? (150 शब्द) 10

How did economic exploitation and drain of wealth theory shape the early nationalist response to British rule? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आर्थिक शोषण और धन निकासी के सिद्धांत ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक सकारात्मक प्रतिक्रिया थीं। दादा भाई नौरोजी द्वारा लिखि गई पुस्तक 'ड्रेन ऑफ वेल्थ' तथा अन्य भारतीय अर्थशास्त्रियों ने अपने लेखों के माध्यम से यह बताया की भारतीयों का शोषण चरम पर हो रहा है।

दादा भाई नौरोजी ने बताया कि किस प्रकार भारतीय धनों का बहिर्गमन इंग्लैंड की ओर हो रहा है जैसे -

→ ब्रिटिश शासको का वेतन एवं भत्ता भारती निधि से देना।

→ कोई भी युद्ध में सैनिको का खर्च भारतीयों के पैसे से होता था।

→ भारत में अंग्रेजी सैनिको को वेतन दोगुना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इन सब आधारों को देखकर भारतीयों के मन में सवाल बनना ही एक प्रतिक्रिया थी।

वे धीरे धीरे सजग होते गये तथा अंग्रेजों से अपनी गरीबी बढ़हारी पर सरकार से उपाय माँगना शुरू किया

→ इसके फलस्वरूप राष्ट्रीय चेतना का विकास हुआ।

अतः यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नही है कि 'ड्रेन ऑफ वैल्थ' ने ब्रिटिश के प्रति भारतीयों में राष्ट्रीय चेतना की पहली प्रतिक्रिया थी। जो आगे आने वाले समय में कांग्रेस जैसे राजनीतिक मंचो ने और अधिक हवा दिया। तथा लोगों से अवगत कराया।

5. भारत छोड़ो आंदोलन जितना बलिदान का प्रतीक था, उतना ही एकता का भी प्रतीक था, परीक्षण कीजिये।

(150 शब्द) 10

Examine how the Quit India Movement was as much a symbol of unity as it was of sacrifice.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

1942 का भारत छोड़ो आन्दोलन एक देशव्यापी ऐसा आन्दोलन था। जिसमें यह कि कौन क्या है (अर्थात - सामाजिक रंग, जाति धर्म, क्षेत्र, नस्ल) से ऊपर उठकर लोगों ने व्यापकता के साथ भाग लिया तथा अपने देश को आजाद कराने में सफलता हासिल की।

द्वितीय विश्वयुद्ध के समय गांधी जी को अंग्रेजों ने भरोसा दिलाया की आने वाले समय में भारत को आजाद कर दिया जाएगा परंतु ऐसा नही होने पर → गांधी जी ने पूरे देश से यह आवाहन किया कि अब हमे किसी भी कीमत पर आजादी छीनना होगा। तथा

'करो या मरो' का नारा दिये

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जिसके उपरांत भारत के लोगो ने देशव्यापी हड़तालें की रेल, तार सेवा सरकारी सेवा ठप्प कर दिये गये ।

इससे क्रोधित होकर अंग्रेजी शासन ने हजारों भारतीयों को यातनाऐं दी → गाँधी जी, नेहरू, पटेल जैसे बड़े नेता गिरफ्तार हो जाने के बाद भी लोगों ने स्वंय अंदोलन को आगे बढ़ाया इस आन्दोलन में भारत सभी वर्ग सामिल थी।

अतः भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन, भारत छोड़ो आन्दोन, जिनता बलिदान का आन्दोलन या, उतना ही सामाजिक एकता का प्रतीक थां।

6. औपनिवेशिक भारत में प्रेस के विकास का विवरण दीजिये और बताइये कि उसने लोगों में राजनीतिक चेतना के उदय में किस प्रकार योगदान दिया। (250 शब्द) 15

Trace the development of the press in colonial India and its contribution to the rise of political consciousness among people. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

औपनिवेशिक भारत में प्रेस एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित हुई जो भारतीयों में राजनीतिक चेतना का उदय के रूप में सामने आया चाहे वह - रूस के बोल्सेविक क्रांति हो या फ्रांस की क्रांति जिसमे - स्वतंत्रता, समानता तथा बंधुत्व की बात कही गई हो।

भारत में प्रेस का विकास 1550 में पुर्तगालियों द्वारा किया गया था। ~~बाद में~~ ~~त~~

1. यंग बंगाल आन्दोलन - जेम्स ए हिक्की - 1880
2. बंगाल गजट
3. मिरातुल अखबार
4. नाइट
5. यंग इंडिया
6. केसरी
7. मराठा
9. अभ्युदय

जैसे विभिन्न पत्र पत्रिकाओं ने भारतीय जनमानस को राह्ता दिखाने का कार्य किया तथा अपने प्रभाव को स्थापित किया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

7. ब्रिटिश शिक्षा नीति ने भारत में आधुनिक चेतना को बढ़ावा देने और मध्यवर्गीय राजनीतिक जागरूकता के उदय में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 15

The British education policy played a crucial role in fostering modern consciousness and the rise of middle-class political awareness in India. Explain. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ब्रिटिश शिक्षा नीति ने भारत में आधुनिक चेतना को बढ़ावा दिया तथा मध्यवर्गीय राजनीतिक जागरूकता के उदय मे महत्वपूर्ण साधक के रूप में कार्य किया, जहाँ भारतीय मिथक / सामाजिक कुरीतियों को उलझे थे। वही तर्कशील सोचा का विकास की शुरुआत ब्रिटिश शिक्षा नीति के माध्यम से माना जा सकता है

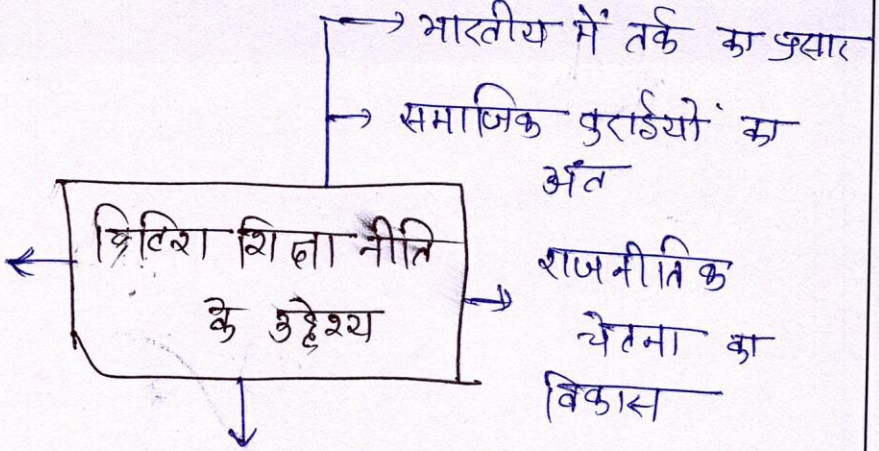

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अंग्रेजों द्वारा लाया गया कुछ शिक्षा नीति

(1) वुड डिस्पैच - 1854
(2) हंटर कमिशन - 1882
(3) विश्वविद्यालय अधिनियम - 1904
(4) सैडलर एक्ट - 1917

इत्यादि।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

8. महात्मा गांधी ने भारतीय राष्ट्रवाद को नैतिक और सामाजिक सुधार से जोड़कर उसे रूपांतरित किया। विश्लेषण कीजिये।
(250 शब्द) 15

Mahatma Gandhi transformed Indian nationalism by linking it with moral and social reform. Analyse.
(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

महात्मा गांधी ने भारतीय राष्ट्रवाद के, था किसी भी आन्दोलन का समर्थन अहिंसा के साथ किया उनका मानना था। कि भारतीयों की आजादी नैतिकता, और अहिंसा के आधार पर लेनी चाहिए।

महात्मा गांधी हमेशा सामाजिक सुधारों की बात को आगे बढ़ाने का कार्य किया करते थे। उनका कहना था।

"आंख के बदले आंख तो सारी दुनिया अंधी हो जाएगी।"

चाहे वह → सत्याग्रह आन्दोलन -1920
→ चंपारन सत्याग्रह -1917
→ असहयोग आन्दोलन -1919
→ सविनय अवज्ञा आन्दोलन -1930.

इन सभी आन्दोलनों में गांधी जी ने

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अपने विचारों को टस से मस नही होने दिया ।

गाँधी जी ~~राष्ट्रीय~~ भारतीय राष्ट्रवाद को नैतिकता के साथ सामाजिक सुधार की तरफ मोडना चाहते थे।

समाजिक सुधार में जैसे – सती प्रथा, पर्दा प्रथा जाति के नाम पर भेद-भाव, छुआ-छूत को मिटाना, इत्यादि को बढ़ावा देना चाहते थे जो आगे चलकर भारत छोड़ो आन्दोलन में देश व्यापी एकता दिखाई भी देता है

→ देश में व्याप्त कुरीतियों को खत्म करना चाहते थे,

→ बाल विवाह
→ बहु विवाह
→ प्राणी हत्या पर रोक
→ हिंसा से दूर रहना
इत्यादि

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतः यह कहा जा सकता है कि महात्मा गांधी ने राष्ट्रवाद को नैतिक एवं समाजिक सुधार से जोड़ा जो आगे आने वाले समयों में सुधार के साथ भारतीय संविधान में उसको स्थान दिया गया।

9. वायकोम सत्याग्रह, यद्यपि क्षेत्रीय स्वरूप का था, ने भारत के व्यापक राष्ट्रीय आंदोलन को किस प्रकार सशक्त किया, इसका मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Evaluate the ways in which the Vaikom Satyagraha, though regional in nature, strengthened India's broader nationalist movement. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

10. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के तरीकों में विविधता लाने में बंगाल और पंजाब के क्रांतिकारियों के योगदान पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the contributions of revolutionaries from Bengal and Punjab in diversifying the methods of the Indian freedom struggle. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशियें में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बंगाल तथा पंजाब के वीर क्रांतिकारियों का अत्यधिक योगदान रहा वे अपने अनोखे अंदाज के लिए जाने जाते थे पंजाब में लालालाजपत राय एवं अन्य क्रांतिकारी तो बंगाल में रविन्द्रनाथ टैगोर जैसे क्रांतिकारी को जन्म दिया।

पंजाब

1. पंजाब सिखों का एक लड़ाकू स्थान रहा है

2. अंग्रेजो से सीधा लोहा लेना,

3. भगत सिंह, उधम सिंह जैसे क्रांतिकारी जिन्होंने अपने कम उम्र में ही

बंगाल

1. बंगाल में बौद्धिक स्तर पर विचारशील क्रांतिकारी।

2. अपने प्रगतिवादी कविता, कहानियाँ, एवं लेखो के माध्यम से लोगों में जोश पैदा करना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय आन्दोलन में कूद पड़े।

& रवीन्द्रनाथ टैगोर, बंकिमचंद्र चट्टर्जी तथा स्वामी विवेकानंद जैसे राष्ट्रवादी व्यक्तियों ने भारत को आजाद कराने में सहयोग दिया।

दोनों स्थानों के प्रतिनिधि नेताओं ने अपने सक्रिय भूमिका से पूरे भारतीयों को जगाने के साथ देश व्यापी आन्दोलन को एक जुट करने मे सार्थक साबित हुए

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)